पाठ-3 गिल्लू

1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए|

उसी बीच मुझे मोटर-दुर्घटना में आहत होकर कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा| उन दिनों जब मेरे कमरे का दरवाजा खोला जाता, गिल्लू अपने झूले से उतर कर दौड़ता और फिर किसी दूसरे को देखकर तेज़ी से अपने घोंसले में जा बैठता| सब उसे काजू दे जाते, परन्तु अस्पताल से लौटकर जब मैंने उसके झूले की सफाई की तो उसमें काजू भरे मिले, जिनसे ज्ञात होता था कि वह उन दिनों अपना प्रिय खाद्य कितना कम खाता रहा|

मेरी अस्वस्थता में वह तकिये पर सिरहाने बैठकर अपने नन्हे-नन्हे पंजों से मेरे सिर और बालों को इतने हौले-हौले सहलाता रहता कि उसका हटना एक परिचारिका के हटने के समान लगता|

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचें दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

(क)उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम बताइए|
(ख)'काजू तक न खाना' – गिल्लू के किस गुण को उजागर करता है ?
(ग)इस अंश के माध्यम से लेखिका ने क्या कहना चाहा है?

2 निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग **एक-तिहाई** शब्दों में लिखिए|

समाचार पत्रों में जो भ्रष्टाचार के प्रति इतना आक्रोश है, वह यही साबित करता है कि हम ऐसी चीजों को गलत समझते हैं और समाज से उन तत्त्वों की प्रतिष्ठा कम करना चाहते हैं जो गलत तरीके से धन या मान संग्रह करते हैं| दोषों का पर्दाफाश करना बुरी बात नहीं है| बुराई यह मालूम होती है कि किसी के आचरण के गलत-पक्ष को उदघाटित करते समय उसमें रस लिया जाता है और दोषों उदघाटन को एकमात्र कर्त्तव्य मान लिया जाता है| बुराई में रस लेना बुरी बात है, अच्छाई को उतना ही रस लेकर उजागर न करना और भी बुरी बात है| सैकड़ों घटनाएँ ऐसी घटती हैं जिन्हें उजागर करने से लोकचित्त में अच्छाई के प्रति अच्छी भावना जगती है|

अपने छोटे भाई को कुसंगति से बचने का परामर्श देते हुए पत्र लिखिए|

अथवा

अपने छोटे भाई को पत्र लिखकर उसे पढ़ाई की ओर ध्यान देने के लिए प्रेरित कीजिए|

_____ _____

_____ _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____|

_____

_____

_____